वर्ष :-1

अंक:-289

30.11.2025

रविवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार www.apnanalanda.com

सीएम नीतीश ने पिता कविराज राम लखन सिंह को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

हरनौत (अपना नालंदा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को अपने पैतृक गांव कल्याण बिगहा पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पिता और अमर स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय कविराज राम लखन सिंह की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री पद की दसवीं बार शपथ लेने के बाद यह उनका पहला पैतृक गांव भ्रमण था, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखा गया। गांव स्थित कविराज राम लखन सिंह स्मृति वाटिका को इस अवसर पर विशेष रूप से सजाया और साफ-सुथरा किया गया था।

सीएम ने स्मृति वाटिका में स्थित अपने पिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी स्वर्गीय माता परमेश्वरी देवी और स्वर्गीय धर्मपत्नी मंजू सिन्हा की प्रतिमाओं पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्थल उनके जीवन से गहराई से जुड़ा है और परिवार की स्मृतियों को संजोए हुए है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि कविराज राम लखन सिंह बख्तियारपुर में रहकर लोगों की सेवा और उपचार में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिए थे। स्वतंत्रता आंदोलन के समय उनका योगदान अमूल्य रहा, जिसे स्थानीय लोग आज भी गर्व से याद करते हैं। उनकी पुण्यतिथि पर बड़े पैमाने पर लोगों की उपस्थिति उनके प्रति सम्मान को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री के साथ इस समारोह में उनके बड़े भाई सतीश कुमार, परिवार के अन्य सदस्य और करीबी रिश्तेदार मौजूद थे। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी कई महत्वपूर्ण व्यक्तित्व उपस्थित रहे। इनमें सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक कृष्णा मुरारी शरण, विधायक जितेंद्र कुमार, विधायक कौशल किशोर, विधायक रूहेल रंजन, एमएलसी संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, एमएलसी ललन सर्राफ, जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा, पूर्व विधायक ई. सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि और डॉ. चंद्रशेखर सिंह, पटना रेंज के आईजी जितेंद्र राणा, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्याग राजन एसएम, नालंदा के डीएम कुंदन कुमार, नालंदा पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, डीएसपी संजय कुमार जायसवाल, हिलसा बीडीओ डॉ. पंकज कुमार, सीओ पूजा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारी की गई थी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने गांव स्थित भगवती मंदिर (देवी स्थान) में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने पैतृक घर के निकट स्थित तालाब में मछलियों को दाना डाला, जिसका ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गांव और आसपास के लोगों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने सड़क, जलजमाव, शौचालय तथा स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों से संबंधित मुद्दे उठाए, जिनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

लगभग 30 मिनट के प्रवास के दौरान कल्याण बिगहा के लोग मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बेहद खुश और प्रफुल्लित दिखाई दिए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ।

हिलसा तिलकोत्सव से लौट रहीं ननद-भौजाई पर दरिंदगी, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

करायपरसूराय(अपना नालंदा)।

नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र में तिलकोत्सव समारोह से लौट रही ननद-भौजाई के साथ हुई अमानवीय घटना ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। स्वागत गर्ल के रूप में कार्य कर रहीं दोनों महिलाएं जब देर रात घर लौट रही थीं, तभी उनके भरोसेमंद बाइक सवार युवकों ने ही विश्वास तोड़ते हुए सुनसान स्थान पर पहुंचकर उनके साथ अनैतिक हरकत करने का प्रयास किया। इस घटना ने न केवल स्थानीय लोगों को झकझोर दिया है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं।

पीड़िता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, घटना 24 नवंबर की रात करीब 1:30 बजे की है। दोनों महिलाएं बुकिंग पर हिलसा स्थित तिलकोत्सव कार्यक्रम में फूल बरसाने वाली स्वागत गर्ल के रूप में शामिल थीं। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दोनों अपने परिचित दो बाइक चालकों के साथ घर लौटने लगीं। रास्ते में दोनों युवकों की नीयत बदल गई और वे महिलाओं को निर्धारित मार्ग से हटाकर सुनसान इलाके की ओर ले गए।

जैसे ही वे सुनसान जगह पहुंचे, आरोपियों ने दोनों महिलाओं को जबरन रोककर मारपीट शुरू कर दी और गलत काम करने की कोशिश की। हालात गंभीर होते देख ननद ने हिम्मत दिखाते हुए मौका मिलते ही झाड़ियों की ओर भागकर खुद को बचा लिया। वह कई घंटों तक अंधेरे में छिपी रहीं। वहीं, अकेली पड़ी भौजाई पर एक आरोपी ने जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर पीड़िता को गला दबाकर जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी सोने का मंगलसूत्र और मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए।

घबराई और घायल अवस्था में दोनों महिलाएं किसी तरह सुबह मुख्य सड़क तक पहुंचीं, जहां स्थानीय लोगों की मदद से वे थाने पहुंचीं। थानाध्यक्ष अभिजीत कुमार के स की प्राथमिकता बताई जा रही है।

अनुसार, पीड़िता के बयान के आधार पर दुष्कर्म, लूट, मारपीट, धमकी और अपहरण जैसी गंभीर धाराओं में कांड दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत छापेमारी शुरू की और एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। फरार दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी जा रही है और तकनीकी निगरानी भी की जा रही है।

घटना सामने आने के बाद इलाके में गहरी नाराजगी है। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि और महिला संगठनों ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि देर रात कार्यक्रमों से लौटने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस को अतिरिक्त सक्रियता दिखानी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

पुलिस का कहना है कि मामले को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट, 164 बयान और अन्य साक्ष्य जुटाकर आरोपी को कठोर सजा दिलाने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।पीड़िताओं की सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना पुलि

परवलपुर में सीएसपी संचालक से तीन लाख की लूट, अपराधी फरार

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। नालंदा जिले के परवलपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े बड़ी लूट की घटना सामने आई, जिसमें बाइक सवार दो बदमाशों ने सीएसपी संचालक से 3 लाख रुपये लूट लिए। घटना गैस एजेंसी के पास उस समय हुई जब संचालक रुपये से भरा बैग लेकर लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों अपराधी पहले से ही घात लगाए बैठे थे। जैसे ही संचालक वहां पहुँचे, बदमाशों ने बैग झपट लिया और मोटरसाइकिल से तेज रफ्तार में नगरनौसा की ओर भाग निकले। घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही परवलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में संदिग्धों की गतिविधियाँ कैमरे में कैद मिली हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने कहा कि हाल के दिनों में क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, जिससे लोगों में दहशत बढ़ गई है। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से रात-दिन गश्ती बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी की मांग की है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN
HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED
RERA
APPROVED
APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP192001011025250432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

तनिष्क ने पटना में शुरू किया नया स्टोर, सोने का सिक्का मुफ्त

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। भारत के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड और टाटा समूह की प्रतिष्ठित इकाई तनिष्क ने पटना में अपना नया ब्रांड स्टोर शुरू किया है। सगुना-खगौल रोड स्थित सकरैचा टावर में खुले इस भव्य स्टोर का उद्घाटन तनिष्क के असोसिएट वाइस प्रेसिडेंट (रिटेलिंग) सुनील राज, ईस्ट रीजनल बिजनेस हेड गौरव कृष्णा और आरबीएम मोनी शंकर सेनगुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।
उद्घाटन के अवसर पर तनिष्क ने ग्राहकों के लिए एक विशेष ऑफर की घोषणा की है, जिसके तहत 28 से 30 नवंबर 2025 तक हर खरीदारी पर एक सोने का सिक्का मुफ्त दिया जाएगा।
करीब 7500 वर्ग फुट में फैला यह नया स्टोर तनिष्क के प्रीमियम और सिग्नेचर ज्वेलरी कलेक्शन का विशेष केंद्र है। यहां हाल ही में लॉन्च किया गया फेस्टिव कलेक्शन 'मृगांका' प्रदर्शित किया गया है, जो पौराणिक से कथाओं प्रेरित है और अद्भुत कारीगरी का उत्कृष्ट नमूना है। बिहार की प्रसिद्ध मधुबनी कला को समर्पित 'मैथिली' कलेक्शन भी ग्राहकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसमें प्लेन गोल्ड और मीनाकारी की बारीक कारीगरी देखने को मिलती है।
स्टोर में महिलाओं के लिए मंगलसूत्रों की विशेष श्रृंखला 'डोर', पुरुषों के लिए 'अवीर' कलेक्शन और शादी के आभूषणों के लिए तनिष्क का विशेष सब-ब्रांड 'रिवाह' उपलब्ध है, जिसे देशभर की विविध परंपराओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।
उद्घाटन के दौरान असोसिएट वाइस प्रेसिडेंट सुनील राज ने कहा कि पटना एक समृद्ध सांस्कृतिक शहर है और यहां नया स्टोर खुलना कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि तनिष्क गुणवत्ता, भरोसे और बेहतरीन डिज़ाइन अनुभव को और आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

रोटरी सेमिनार में कृषि मूल्य वर्धन अभियान की अपील: राम कृपाल यादव

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। रोटरी क्लब पटना मिलेनियम द्वारा शनिवार को पटना स्थित एक निजी होटल में आयोजित "उपहार - डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन सेमिनार" का उद्घाटन बिहार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंत्री ने रोटरी इंटरनेशनल द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संरक्षण, पर्यावरण और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में किए जा रहे योगदान की सराहना की।अपने उद्घाटन संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि "रोटरी क्लब सेवा, संवेदना और समर्पण का प्रतीक है। सरकार की ओर से संस्था को हर संभव सहयोग दिया जाएगा, उन्हें कभी निराश नहीं किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था में कृषि का लगभग 21 प्रतिशत योगदान है और राज्य के विकास व रोजगार सृजन के लिए कृषि का तीव्र विकास आवश्यक है।मंत्री ने रोटरी क्लब से अपील की कि संस्था बिहार के युवाओं के बीच कृषि आधारित उद्योग, कृषि तकनीक और कृषि उत्पादों के मूल्य वर्धन को लेकर व्यापक जनजागरण अभियान चलाए। उन्होंने कहा कि कृषि को उद्योग और रोजगार के अवसर के रूप में बढ़ावा देने से युवा वर्ग सशक्त होगा और राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
राम कृपाल यादव ने कहा कि रोटरी जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्था के सहयोग से बिहार के कृषि उत्पादों को "लोकल से ग्लोबल" बनाया जा सकता है। कृषि आधारित उद्योग, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात बढ़ाने की दिशा में अपार संभावनाएँ हैं, जिन पर सामूहिक प्रयास से उल्लेखनीय परिणाम सामने आ सकते हैं।

सोनपुर मेले में जिला पशुपालन विभाग ने कराया डॉग शो सफलतापूर्वक

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। जिला पशुपालन विभाग, सारण के सौजन्य से शनिवार को विश्व प्रसिद्ध सोनपुर मेला परिसर में केनाइन फिटनेस सह डॉग शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए लगभग 50 श्वानों ने प्रतिभाग किया और अपनी फिटनेस, अनुशासन व प्रस्तुति से दर्शकों को आकर्षित किया।
कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के रूप में ख्यातिलब्ध पशु चिकित्सक डॉ. अजीत कुमार (सेवानिवृत्त निदेशक, IAHP पटना) तथा डॉ. सुधीर कुमार सिंह (सेवानिवृत्त जिला पशुपालन पदाधिकारी, मधेपुरा) उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने मंच पर आए श्वानों की नस्ल, स्वास्थ्य एवं फिटनेस का परीक्षण कर मूल्यांकन किया।
शो के दौरान IAHP पटना से आए चिकित्सकों की टीम— डॉ. शशिकांत अजय, डॉ. विनोद कुमार मुक्ता, डॉ. नीतेश, तथा डॉ. संजीव कुमार — ने सभी प्रतिभागी श्वानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। टीम ने पशु स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर आवश्यक सुझाव भी दिए।
कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. ओबेदुल्ला के नेतृत्व में डॉ. मुकेश सहाय (SAHO, सदर छपरा), डॉ. विपिन कुमार, डॉ. निक्कू महेंद्र, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. डिंपी, डॉ. मीनू, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. मनीष पांडे, डॉ. परवेज अख्तर, डॉ. विजय प्रसाद मंडल, डॉ. ब्रज भूषण सिंह और डॉ. विनय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंच संचालन डॉ. उदय कुमार ने किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी श्वानों और उनके प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से महिलाओं को नई ताकत मिल रही: नितिन नवीन

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की 10 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता और जनकल्याणकारी सोच का मजबूत उदाहरण है। यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।
उन्होंने बताया कि कुल 1,000 करोड़ रुपये की सीधी सहायता राशि महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता, आर्थिक मजबूती और नए अवसरों का द्वार खोलेगी। यह राशि न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में सहायक होगी, बल्कि महिलाओं को स्वयं के निर्णय लेने और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देगी।
मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि बिहार सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहयोग देना नहीं, बल्कि महिलाओं को सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर विकास यात्रा में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस दूरदर्शी और प्रभावी निर्णय के लिए आभार व्यक्त करते हुए

कहा कि यह कदम महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और प्रगति की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगा।
उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता और उन्नति सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना लाखों महिलाओं के सपनों को नई उड़ान देने के साथ-साथ बिहार को आत्मनिर्भर, समावेशी और प्रगतिशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगी।
एनडीए सरकार का यह निर्णय सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और समावेशी विकास को मजबूत करने वाली एक निर्णायक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

निपुण बिहार मिशन के तहत मनपुरवा विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी आयोजित

हिलसा (अपना नालंदा)। निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, बिहार सरकार के निर्देशानुसार प्राथमिक विद्यालय मनपुरवा में शनिवार को "निपुण बनेगा बिहार हमारा" तथा "हर बच्चा होगा अब स्कूल का हिस्सा" विषय पर अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य अभिभावकों को शिक्षा के महत्व तथा निपुण बिहार मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की अनिवार्यता से परिचित कराना था।

प्रधान शिक्षक अजीत कुमार सिंह ने शिक्षा जागरूकता गीत "आधी रोटी कम खईह, बाकी बेटा-बेटी के पढ़ईह जरूर" और "निपुण बनेगा बिहार हमारा" गाकर अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नियमित विद्यालय उपस्थिति और घर का सहयोगपूर्ण वातावरण बच्चों की सीखने की गति को कई गुना बढ़ा सकता है।

विद्यालय के शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ बच्चों की सीखने की प्रगति साझा की और बताया कि किस प्रकार रोचक गतिविधियों और नवाचारों के माध्यम से छोटे बच्चों को भाषा एवं गणितीय मूलभूत अवधारणाएँ सहजता से समझाई जा रही हैं। प्रधान शिक्षक और शिक्षकों ने गतिविधियों के उदाहरण भी प्रस्तुत किए, जिससे अभिभावकों को विद्यालय की शिक्षण पद्धति का प्रत्यक्ष अनुभव मिला।

संगोष्ठी के अंत में प्रधान शिक्षक ने अभिभावकों को संकल्प दिलाया कि वे अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजेंगे, घर पर पढ़ाई के अनुकूल वातावरण बनाएंगे, बच्चों की तुलना नहीं करेंगे और टीवी-मोबाइल के उपयोग को सीमित रखेंगे। साथ ही स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील भी की।

कार्यक्रम में शिक्षक पप्पू कुमार, रामाशंकर प्रसाद, शिक्षिका कंचन कुमारी, दर्जनों अभिभावक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्क्रीन टाइम का फैलता जाल, बच्चे गहरे संकट में

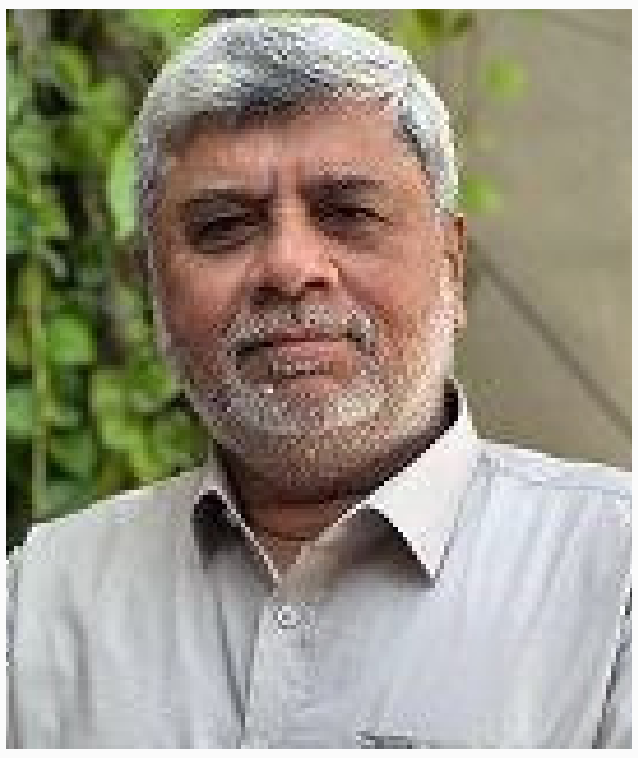

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। गुस्से में वह अपने कमरे में चला गया और इहलीला समाप्त कर ली। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत के घरों में मोबाइल केवल एक उपकरण नहीं रहा है बल्कि यह रिश्तों के बीच खड़ी एक खाई बनता जा रहा है।

धौलपुर की यह घटना अपनी तरह की अकेला मामला नहीं है। हाल ही में मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। उसने पति को भी कहा मगर उन्होंने अनसुना कर दिया। नतीजा, महिला की खुदकुशी के रूप में सामने आया। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लड़की ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर ली। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है। यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है, ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉस्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

मोबाइल जनित समस्याएं किस कदर बढ़ रही है, इसे लखनऊ में उत्तरप्रदेश महिला आयोग की जन सुनवाई के उदाहरण से समझा जा सकता है। इस सुनवाई में अब किशोर वय बेटियों की मोबाइल लत से परेशान माएं मदद के लिए पहुंच रही हैं। आयोग की हर सुनवाई में 3-4 मामले ऐसे आते हैं जिनमें महिलाओं का कहना है कि उनकी किशोरवय बेटियां फोन का अत्यधिक इस्तेमाल करती हैं और रोकने पर उनसे झगड़ा, बदसलूकी या हिंसक व्यवहार करती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण केवल पढ़ाई नहीं बिगड़ रही है। व्यवहार में आक्रामकता, एकांकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। इससे मनोवैज्ञानिक चिंतित हैं। मनो वैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है। इस लत का पहला लक्षण मां-बाप से चिड़चिड़ापन होता है। दूसरा लक्षण फोन छीने जाने पर हिंसक प्रतिक्रिया या खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी है। तीसरे लक्षण में पढ़ाई, दोस्ती, परिवार, नींद सब में कमी होने लगती है।

दरअसल, मानसिक रूप से अपरिपक्व होने के कारण बच्चे इतनी छोटी उम्र में खुद को संभाल नहीं पाते। वह सोचते हैं कि फोन ही उनकी आजादी है। इसलिए जैसे ही ये छिनता है, वे नियंत्रण खो देते हैं। इस मामले में माता-पिता गलती कर रहे हैं। पहले तो माता-पिता ही बच्चे को पूरा फोन पकड़ा देते हैं ताकि वह चुप रहे। बाद में जब बच्चे इसी में उलझे रहते हैं तो वह अचानक सख्ती अपनाते हैं, पर तब तक स्थिति हाथ से निकल चुकी होती है। बच्चों के फोन इस्तेमाल को नियंत्रित करने के लिए जल्दीबाजी से नहीं, योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। सबसे जरूरी है कि परिवार मिलकर स्पष्ट नियम तय करे कि कितने घंटे स्क्रीन टाइम हो, कौन-कौन स ऐप चलें, और रात में फोन कहां रखा जाए। ये नियम बच्चों के साथ बातचीत करके बनाए जाएं न कि उन पर थोपे न जाएं। फोन न चलाने के लिए पाबंद कर देने मात्र से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। इसके बजाय बच्चों को खेल, आर्ट, दोस्तों के साथ समय बिताने और घर के छोटे-मोटे काम जैसे विकल्प दिए जा सकते हैं। माता-पिता को खुद को बदलना होगा क्योंकि अगर वह लगातार मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो बच्चा स्वाभाविक रूप से उसी रास्ते पर जाएगा। इसके साथ-साथ बच्चों की भावनाओं को समझना भी जरूरी है। मनो वैज्ञानिकों के अनुसार कई बार बच्चे सामाजिक दबाव, अकेलेपन से बचने के लिए स्क्रीन की दुनियामें शरण लेते हैं। फोन को एकदम से छीन लेने की जगह उपयोग को धीरे-धीरे कम करना बेहतर होगा ताकि बच्चा मानसिक झटका महसूस न करे। यह केवल मोबाइल की लत का मामला नहीं है बल्कि एक सामाजिक संकट है जो नई पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। यह पीढ़ी देश का भविष्य बनने के बजाय मोबाइल फोन के स्क्रीन के भविष्य में उलझती जा रही है। धौलपुर के बच्चे विष्णु, जान देने वाली झांसी की महिला, बिलासपुर की उस लड़की और थाणे व आजमगढ़ के किशोर भौगोलिक रूप से भले ही अलग-अलग हैं मगर इनसे समाज को साझा चेतावनी मिल रही है। अगर इस चेतावनी को अनसुना किया जाता रहा तो आने वाले समय में यह समस्या और भी भयावह हो जाएगी। ऐसे में आज से ही घरों में एक नया अनुशासन शुरू करने की आवश्यकता है।

स्वच्छता व आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक में कई निर्देश जारी किए गए

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। शनिवार को हरदेव भवन के सभागार में उप विकास आयुक्त श्रीकांत कुण्डलिक खाण्डेकर की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)/ लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान तथा PMAY-G की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतों के सभी वार्डों में कचरा उठाव से संबंधित जानकारी स्वच्छता मित्र ऐप पर नियमित रूप से अपलोड की जाए। उन्होंने सभी वार्डों में स्वच्छता कार्यों को सुचारु रूप से संचालन करने पर जोर दिया। व्यक्तिगत शौचालय निर्माण कराने वाले पात्र लाभुकों को जांच उपरांत भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश भी दिया गया।ODF प्लस मॉडल गांव के मानकों को पूरा कर चुके गांवों को चिन्हित कर उन्हें मॉडल गांव के रूप में मार्क करने का निर्देश दिया गया। निर्माणाधीन अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों को शीघ्र पूरा करने एवं ग्राम पंचायतों द्वारा ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर खर्च की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया।

डिजिटल कम्युनिकेशन मॉनिटरिंग सिस्टम के तहत पंजीकृत परिवारों को राज्य कार्यालय से प्राप्त स्वच्छता संदेश व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करने और उनके फीडबैक के आधार पर गृह भ्रमण करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान LSBA कार्यों में शिथिलता पाए जाने पर BC हरनौत से स्पष्टीकरण मांगा गया। वहीं PMAY-G की समीक्षा में पाया गया कि तृतीय किस्त मिलने के बावजूद कई आवास पूर्ण नहीं हुए हैं। इस पर उप विकास आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित प्रखंडों के आवास सहायकों से भी स्पष्टीकरण तलब किया।

एड्स: इलाज से बेहतर है सावधानी

डॉ० घनश्याम बादल

एक दिसंबर को एड्स रोधी दिवस है, एड्स जो दुनिया की सबसे घातक बीमारियों में एक है और कई महामारियों से अधिक लोगों की जान ले चुका है । आज एड्स का प्रतीक'लाल रिबन का फंदा' फांसी के फंदे की तरह है और इंसान का सबसे घातक दुश्मन है । एड्स के वायरस का पता 1983 में चल गया था, पर इसके सटीक इलाज की खोज आज भी जारी है ।

एड्स और एच.आई. वी

एड्स विषाणु एच.आई.वी हैं की वजह से होने वाला एड्स स्वयं में कोई रोग नहीं बल्कि एक ऐसा उपलक्षण है जो अन्य रोगों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता को घटा देता है जिससे कोई भी संक्रमण, जैसे सर्दी जुकाम से ले कर टीबी,, कैंसर तक भी हो जाते हैं और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।

आरंभिक लक्षण

तेजी से और अत्याधिक वजन घटना , सूखी खांसी, लगातार बुखार या रात के समय अत्यधिक व असाधारण मात्रा में पसीने छूटना ,कंधों और गर्दन में लम्बे समय तक सूजी हुई लसिकायें ,एक हफ्ते से अधिक समय तक दस्त होना। लम्बे समय तक गंभीर हैजा, फेफड़ों में जलन ,चमड़ी के नीचे, मुँह, पलकों के नीचे या नाक में लाल, भूरे, गुलाबी या बैंगनी रंग के धब्बे , निरंतर भुलक्कड़पन, लम्बे समय तक उदासी आदि एड्स के आरंभिक लक्षण है अतः यदि ऐसे लक्षण नज़र आए तो तुरंत सजग हो जाएं। हालांकि इन लक्षणों का मतलब यह भी नहीं है कि ऐड हो ही गया है अच्छा हो उचित जांच करा देखें।

एचआईवी संक्रमण के तीन मुख्य चरण हैं -

पहला चरण :

एचआईवी की प्रारंभिक अवधि 2 से 4 सप्ताह है इसमें इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी या मोनोंयुक्लिओसिस जैसी बीमारी के लक्षण दिखते हैं सबसे प्रमुख लक्षण बुखार, लिम्फ नोड्स, गले की सूजन, चक्कते, सिर दर्द या मुँह और जननांगों के घाव आदि है । कुछ लोगों में उल्टी, मिचली या दस्त और कुछ में जुल्लैन बरें सिंड्रोम जैसी बीमारियों के लक्षण दिखते हैं।

दूसरा चरण :

एचआईवी संक्रमण का दूसरा चरण ३ साल से २० साल तक रह सकता है । इस चरण के अंतके कई लोगों को बुखार, वजन घटना, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं और मांसपेशियों में दर्द अनुभव होता है । इलाज के आभाव में बढ़ कर एड्स में बदल जाता है ।

अंतिम अवस्था :

एड्स की अंतिम अवस्था है एड्स से पीड़ित हो जाना यही सबसे खतरनाक अवस्था है । दुनिया भर में इस समय चार करोड़ से ज्यादा लोग एच.आई.वी का शिकार हैं। इनमें से दो तिहाई अफ्रीकी देशों में हैं वहाँ हर तीन में से एक वयस्क इसका शिकार है। दुनिया भर में लगभग 14,000 लोग प्रतिदिन इसका शिकार हो रहे हैं ।

एड्स के कारण :

असुरक्षित सैक्स :

एचआईवी संक्रमण सबसे ज्यादा संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संपर्क से होता है । हालांकि, एच. आई. वी. प्रसार भिन्न भिन्न देशों में भिन्न भिन्न तरीकों से हुआ है. संयुक्त राज्य अमेरिका में 2009 तक, सबसे अधिक 64% एच. आई. वी. प्रसार समलैंगिक पुरुषों में हुआ । असुरक्षित विषमलिंगी यौन संबंधो में अनुमानतः प्रत्येक यौन सम्बन्ध में एचआईवी संक्रमण का जोखिम कम आय वाले देशों में उच्च आय वाले देशों कि तुलना से चार से दस गुना ज्यादा है।

संक्रमित सीरींज :

एचआईवी के संक्रमण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत रक्त और रक्त उत्पाद हैं। रक्त के द्वारा संक्रमण नशीली दवाओ के सेवन के दौरान सुइयों के साझा प्रयोग के द्वारा, संक्रमित सुई से चोट लगने पर, दूषित रक्त या रक्त उत्पाद के माध्यम से या उन मेडिकल सुइयों के माध्यम से जो एच. आई. वी. संक्रमित उपकरणों के साथ होते हैं।

माँ से बच्चे को संक्रमण :

एचआईवी ग्रस्त माँ से बच्चे को गर्भावस्था के दौरान, प्रसव के दौरान और स्तनपान से हो सकता है। एचआई वी के दुनिया भर में फैलने का यह तीसरा सबसे आम कारण है । बच्चो में एच आई वी का संक्रमण 90 प्रतिशत मामलों में माँ के द्वारा होता है। नवजात शिशु को स्तनपान से न करवाकर तथा एंटीरिट्रोवाइरल औषधियों की खुराक देकर माँ से बच्चे में एच. आई. वी. का संक्रमण काफी हद तक रोका जा सकता है ।

कैसे बचें :

अपने जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें। एक से अधिक व्यक्ति से यौनसंबंध न रखें। यौन संबंध के समय कंडोम का सदैव प्रयोग करें। यदि कोई एच.आई.वी संक्रमित या एड्स ग्रसित हैं तो अपने जीवनसाथी से इस बात का खुलासा अवश्य करें। एच.आई.वी संक्रमित या एड्स ग्रसित रक्तदान कभी न करें। रक्त ग्रहण करने से पहले रक्त का एच.आई.वी परीक्षण अवश्य कराएं ।

एड्स, मिथक और सच

एड्स ग्रसित व्यक्ति से हाथ मिलाने से ,एच.आई.वी संक्रमित या एड्स ग्रसित व्यक्ति के साथ रहने से या उनके साथ खाना खाने से ,एक ही बर्तन या रसोई में स्वस्थ और एच.आई.वी संक्रमित या एड्स ग्रसित व्यक्ति के खाना बनाने से एड्स का संक्रमण होना स्वास्थ्य विशेषज्ञ केवल एक मिथक मानते हैं । एड्स का उपचार

भारत, जापान, अमरीका, युरोपीय देश और अन्य देशों में इस के इलाज व इससे बचने के टीकों की खोज जारी है। हालांकी एड्स केमरीजों को इससे लड़ने और एड्स होने केबावजूद कुछ समय तक साधारण जीवन जीने में सक्षम है।

गुड न्यूज़:

अच्छी खबर यह है कि सिपला और हेटेरो जैसे प्रमुख भारतीय दवा निर्माता एच.आई.वी पीड़ितों के लिये शीघ्र ही गोलियाँ बनाने जा रहे हैं जो इलाज आसान बना सकेगा इन दवाईयों पर प्रति व्यक्ति सालाना खर्च तकरीबन एक लाख रुपये होगा, और वैश्विक कीमत से यह 80-85 प्रतिशत सस्ती होंगी।

बनें संवेदनशील:

यौन विषयों पर बात करना हमारे समाज में वर्जना का विषय रहा है। जबकि इस संवेदनशील मसले पर अनजान बने रहना कोई हल नहीं है। इस भयावह स्थिति से निपटने का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक बदलाव लाना है उनसे नफरत न करें इसे भी एक रोग की तरह ही मान कर उनका ख्याल रखें व हौसला बढ़ाएं ।

एसआईआर: भय मुक्त माहौल दे चुनाव आयोग

धीतेन्द्र कुमार शर्मा

देश के राजस्थान समेत 12 राज्यों में चल रहे मतदाता सूचियों (तकरीबन 51 करोड़ मतदाताओं) के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विवाद मौन होने का नाम ही नहीं ले रहे। विपक्षी दल पहले ही इसे विरोधी मतदाताओं के नाम काटने की साजिश का अभियान बता रहे थे। अब एसआईआर में लगे कुछ कार्मिकों की मौतों से जानलेवा दबाव जैसी धारणाएं बलवती हो रही हैं। मीडिया रिपोर्ताज के मुताबिक बीते 22 दिनों में देश के इन बारह राज्यों में दो दर्जन से ज्यादा बूथ लेवल ऑफिसर्स(बीएलओ) की मौत हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का तो राजनीतिक दावा है कि अकेले उनके राज्य में 34 से अधिक मौत हो चुकी है। विपक्षी दलों का कहना है कि एसआईआर में दबाव और तनाव में ये जानें जा रही हैं। जबकि चुनाव आयोग ने पिछले दिनों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में तब तक हुई ऐसी 15 मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इनकार किया था। आयोग के मुताबिक इन मौतों के पीछे बीमारी और अन्य घरेलू परिस्थितियां कारण रही हैं।

विपक्ष एसआईआर को लेकर शुरू से हमलावर रहा है। लिहाजा उसके दावों को राजनीतिक स्टंट कहा जा सकता है लेकिन मौतें हो रही हैं और ये लोग एसआईआर कार्यक्रम में लगे हुए हैं, क्या इस तथ्य को झुठलाया जा सकता है? तब फौरा वक्तव्य देने और विपक्ष की ओर से मुद्दा न बने, सिर्फ इसलिए इससे पल्ला झाड़ लेना क्या उचित आचरण है? क्या सरकार और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं बनती कि तत्काल अपनी मशीनरी को अन्दरूनी तौर पर चैक करे। पता लगाएं कि किस तरह का बर्ताव जिला निर्वाचन और इससे ऊपर के अधिकारी इन निचले कार्मिकों के साथ कर रहे हैं, खासकर समय सीमा के बारे में? कहीं दि-ब-दिन की प्रगति रिपोर्ट में तो जमीनी अधिकारियों और कार्मिकों का वक्त जाया नहीं हो रहा? और, फिर उन्हें इसकी भरपाई करना मुश्किल हो रहा हो? तकनीकी सहायक और अनिवार्य ढांचागत सुविधाएं भी पर्याप्त हैं या नहीं?

यह सही है और छिपा नहीं कि चुनावी दफ्तरों और सेक्टर कार्यालयों में इन दिनों सुबह सात-साढ़े बजे से रात 9-9.30 बजे तक गहमागहमी है। जाहिर है, इनमें वृहद स्तर पर काम चल रहा है। लगातार फील्ड में और सुबह जल्दी से देर रात तक कितने दिनों काम संभव है क्या यह सोचा गया? और, इन परिस्थितियों में कार्मिकों के परिवार कैसे जीवनयापन कर रहे? किसे घर में कौनसी आपात स्थिति आई और वो परिवार को समय नहीं दे पाया? क्या इन सब हालात में उपजे तनाव में एसआईआर की भूमिका नहीं? आयोग को खुले दिल से, बिना किसी पूर्वाग्रह के, हालात की समीक्षा और जांच करनी होगी। खासकर हार्टअटैक और आत्महत्याओं के प्रकरणों की।

राज्य निर्वाचन अधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को सख्त हिदायत देनी होगी कि निचले कार्मिकों को बिना उनकी परिस्थिति जाने नौकरी खोने का भय नहीं दिखाएं। एक आम शिकायत त्वरित काम के लिए कार्मिकों से अभद्रता से पेश आने की भी आ रही है। "नहीं होता तो घर बैठो" जैसे जुमले आम हो चले। "चार्जशीट" और "अनुशासनिक कार्रवाई" की धमकियां भी आम हैं। ऐसे में कार्मिकों का तनाव में स्वाभाविक है। आयोग इन सब पहलुओं पर गंभीरता से विचार करे। और जल्द ऐसे उपाय अपनाए जिससे भयाक्रांत माहौल दूर हो। बीएलओ और सुपरवाइजर स्तर पर खौफ पैदा करने के बजाय इन्हें फ्री हैंड दें। अगर तकनीकी दिक्कतें पेश आ रही हैं तो अवधि बढ़ाने जैसे विकल्प अपनाने में शर्मिन्दगी कैसी! आखिर यहां इस महाभियान में लगे लाखों कार्मिकों के जीवन का सवाल है।

धीतेन्द्र कुमार शर्मा
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

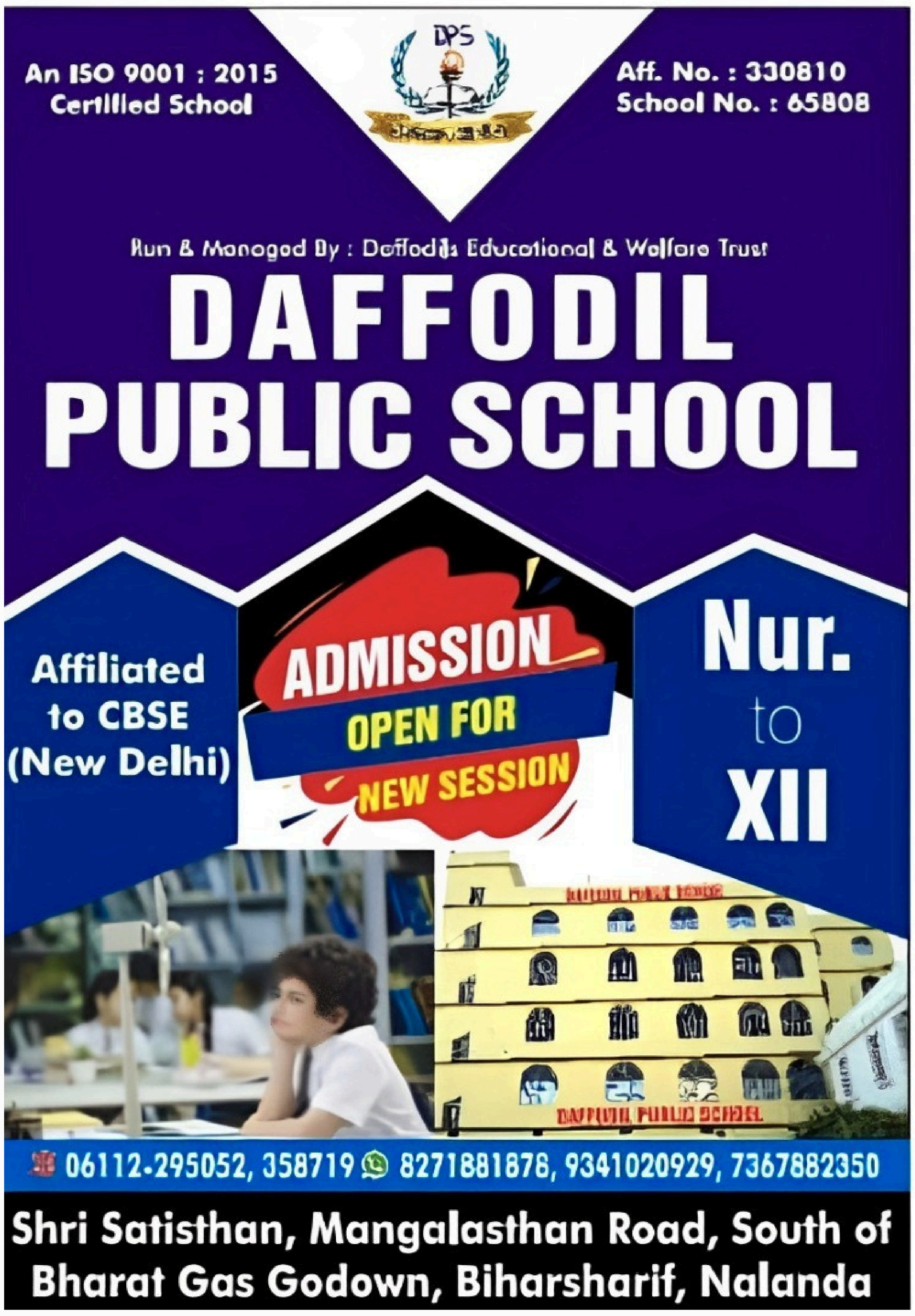

त्रिपुरा हेरिटेज फेस्टिवल से लौटे नालंदा प्रतिभागियों का हुआ भव्य स्वागत

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। युवा विकास केंद्र त्रिपुरा व त्रिपुरा सरकार द्वारा 20 से 26 नवंबर तक अगरतल्ला में आयोजित हेरिटेज फेस्टिवल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लौटे नालंदा जिले के प्रतिभागियों का शनिवार को जोरदार स्वागत किया गया। रघुनंदन सेवा सदन के निदेशक रोहित कुमार ने बताया कि इस फेस्टिवल में देश के 26 राज्यों और 9 पड़ोसी देशों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य युवाओं में आपसी एकता, भाईचारा, विश्व बंधुत्व, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं व उनके समाधान को समझने की भावना विकसित करना था। प्रतिभागियों ने बताया कि कैम्प में उन्होंने अलग-अलग राज्यों के लोगों की भाषा, खान-पान, रहन-सहन और व्यवहार को करीब से समझा, जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत हुई।

नालंदा टीम से शामिल आशीष कुमार, अजीत कुमार, प्रहलाद कुमार, कुंदन कुमार, सुशांत कुमार, सुजीत कुमार और आनंद राज ने बताया कि त्रिपुरा की ओर से क्षेत्र की समृद्ध विरासत को शानदार तरीके से प्रस्तुत किया गया। लोकगायक भैया अजीत ने कहा कि बिहार टीम द्वारा छठ महापर्व, झुमरी नृत्य, खेती-बाड़ी आधारित कजरी गीत आदि प्रस्तुत कर बिहार की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से रखा गया।

सचिव, राष्ट्रीय युवा योजना बिहार, नीरज कांस्यकार ने बताया कि मार्च 2026 में बिहार में राष्ट्रीय स्तर का चिल्ड्रेन फेस्टिवल आयोजित करने का प्रस्ताव है, जिसमें 8 से 14 वर्ष के बच्चे देशभर से शामिल होंगे और अनेकता में एकता का संदेश प्रसारित करेंगे।

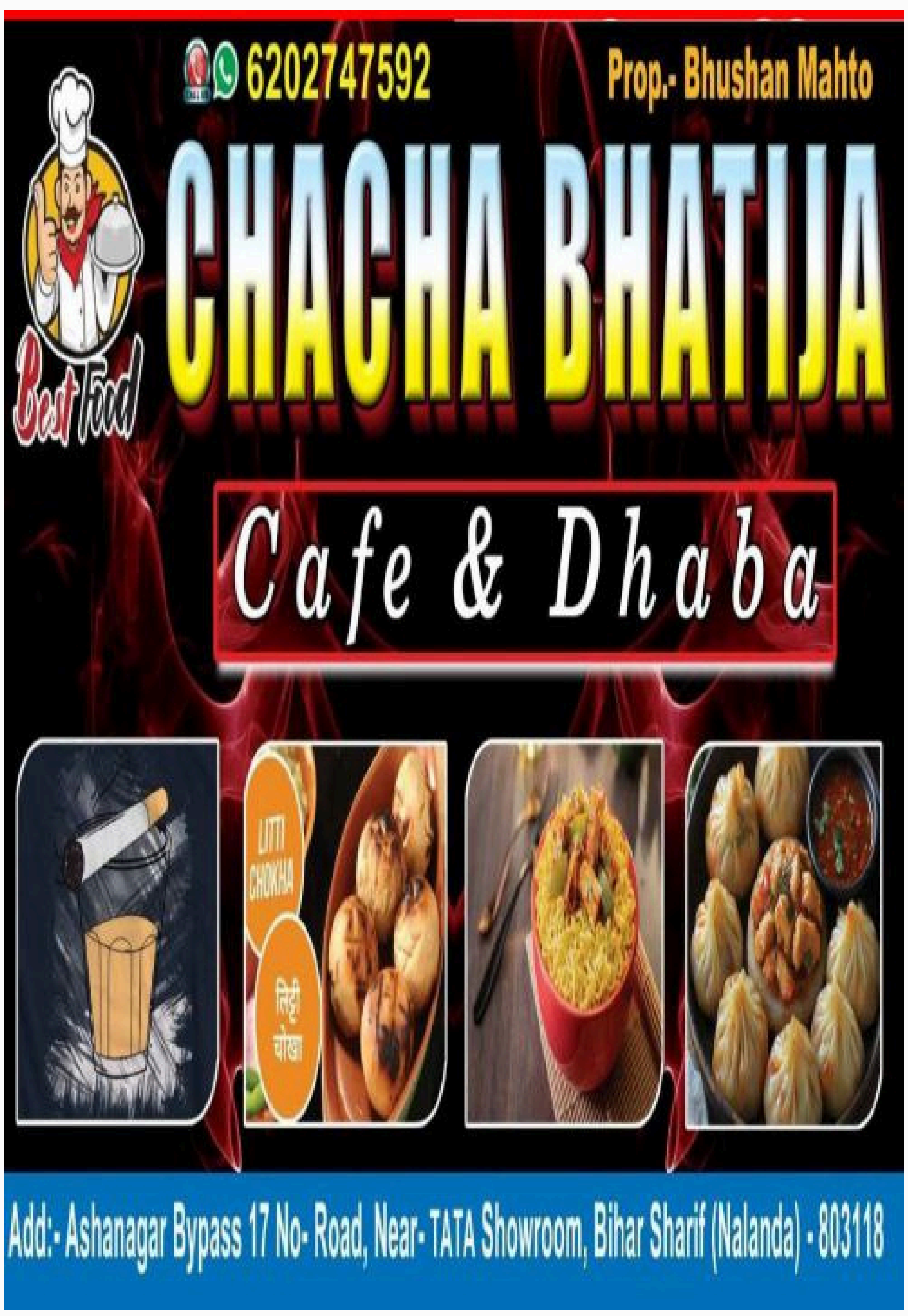

बजड़ाचक में नेवारी में लगी आग से भारी नुकसान, ग्रामीणों ने बुझाई

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। बजड़ाचक गांव में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीण शिव प्रसाद (पिता–हरिहर महतो) के नेवारी के पुंज में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब बीस हजार रुपये मूल्य की नेवारी पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना से आसपास के लोग दहशत में आ गए।

लपटों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पास स्थित कई पेड़ भी इसकी चपेट में आकर झुलस गए। आग तेजी से फैलने लगी, लेकिन ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए तत्परता दिखाते हुए बाल्टी और पाइप की दद से एकजुट होकर आग पर काबू पा लिया। ग्रामीणों के त्वरित प्रयास से बड़ी क्षति होने से बचाव हो गया, अन्यथा आग आसपास के घरों और खेतों तक फैल सकती थी।

ग्रामीणों ने बताया कि आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। अचानक उठी तेज लपटों ने कुछ ही मिनटों में नेवारी के पूरे पुंज को राख में बदल दिया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना संबंधित प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों को दे दी है।

घटना से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। नेवारी जल जाने से किसान परिवार को आर्थिक क्षति पहुंची है। गांव में इस आगजनी की घटना को लेकर भय और चिंता का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिवनन्दन नगर बेदखली व महादलित उत्पीड़न के खिलाफ माले का विरोध मार्च

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड के सोनसा पंचायत स्थित शिवनन्दन नगर में पासवान समुदाय के गरीबों को बेदखली किए जाने और बड़ी आंट में महादलित परिवारों पर हुए हमलों के विरोध में भाकपा माले ने शनिवार को बिहारशरीफ स्थित कमरूद्दीनगंज से एक विरोध मार्च निकाला। मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।माले के राज्य कमेटी सदस्य व जिला सचिव सुरेन्द्र राम ने कहा कि हाल के चुनाव में NDA सरकार ने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए गरीबों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा श्रम कानूनों को हटाकर गुलामी थोपने वाले श्रम कोड लागू किए गए और अब पूरे बिहार में गरीबों पर बुलडोजर एक्शन चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिवनन्दन नगर में कोर्ट आदेश के नाम पर पासवान जाति के सैकड़ों गरीबों को जबरन हटाने का प्रयास अन्यायपूर्णहै। यदि सरकार गरीबों के पक्ष में होती, तो फोरलेन के पास जमीन खरीदकर उन्हें पुनर्वासित कर सकती थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कोर्ट में भी गरीबों की तरफ से मजबूती से पक्ष नहीं रख सकी और अब बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। बड़ी आंट में महादलितों पर सामंती तत्वों द्वारा किए गए हमले पर भी उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की। कहा कि कई लोगों को पीटा गया, लेकिन पुलिस की मिलीभगत के कारण अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।कार्यक्रम में माले जिला कमेटी सदस्य पाल बिहारी लाल, प्रमोद यादव, मुनीलाल यादव, सरफराज अहमद खान, बीरेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि गरीबों की मजबूती और एकजुटता ही सरकारी उत्पीड़न के खिलाफ बड़ी जन-आंदोलन की राह तैयार करेगी।

सिलाव फोरलेन डिवाइडर पर लगी मछली दुकान से अव्यवस्था, दुर्घटना का बढ़ा खतरा

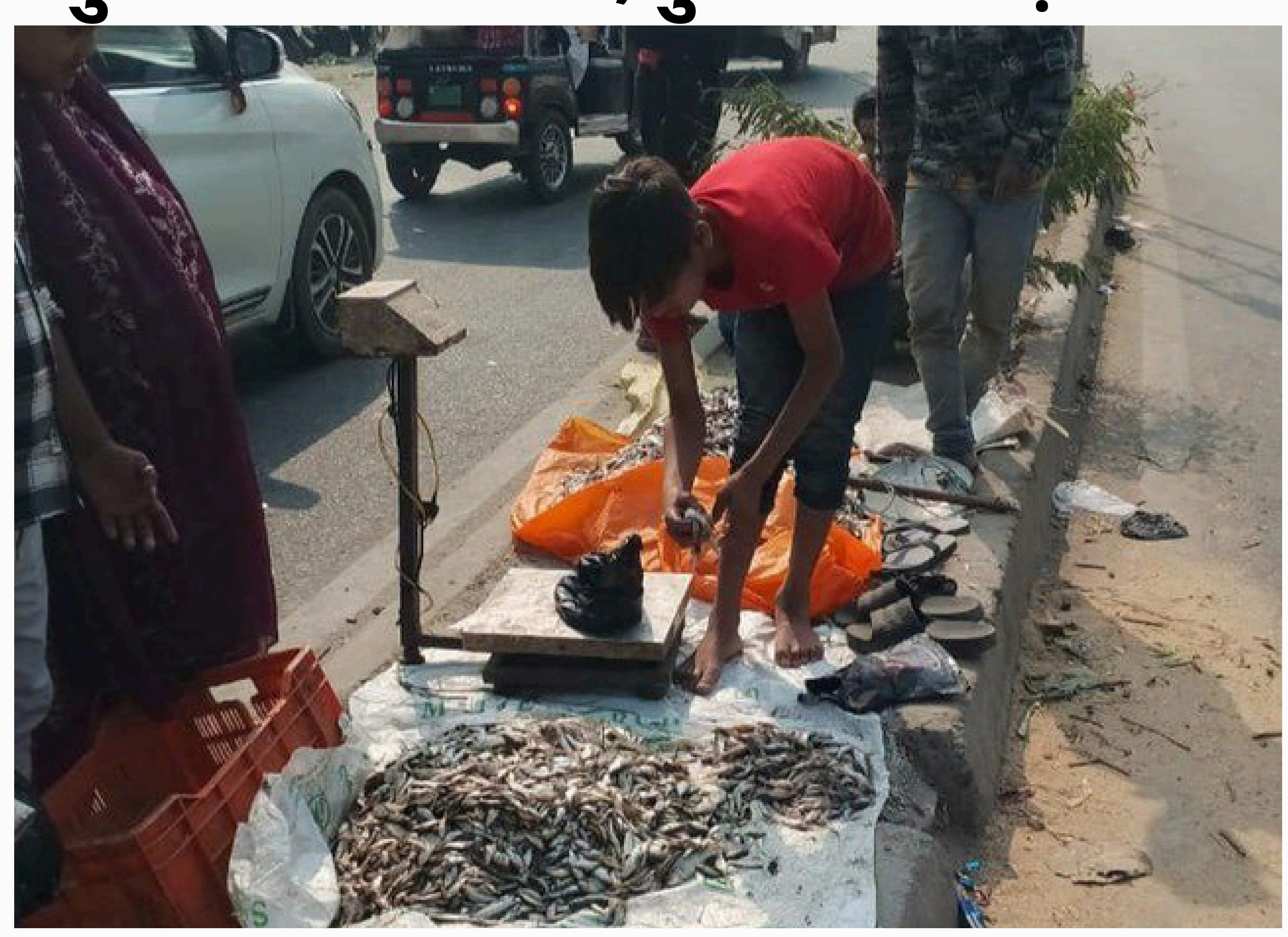

राजेश कुमार गौतम

नालंदा (अपना नालंदा)। सिलाव बाइपास फोरलेन पर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर खुली मछली दुकान ने पूरे मार्ग की यातायात व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया है। डिवाइडर के ऊपर दुकान सज जाने से राहगीरों और वाहनों की आवाजाही लगातार बाधित हो रही है। मछली खरीदने के लिए जुटने वाली भीड़ के कारण वाहनों को अचानक रुकना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राजगीर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां स्वच्छता और नियमों के अनुरूप खुले में मांस-मछली की बिक्री प्रतिबंधित है। इसके बावजूद नगर पंचायत द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से सड़क किनारे और अब डिवाइडर पर मछली की दुकानें बेधड़क संचालित हो रही हैं। इससे न केवल क्षेत्र की छवि खराब हो रही है,बल्कि जाम और अव्यवस्था की समस्या भी विकराल रूप ले रही है।

क्षेत्रवासियों ने बताया कि नगर पंचायत और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण फोरलेन पर अवैध तरीके से दुकानें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बच्चों सहित कई लोग सड़क पर खड़े होकर खरीदारी करते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि मांस-मछली बिक्री के लिए एक निर्धारित स्थल चिन्हित किया जाए और फोरलेन पर इस तरह की गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों ने क्षेत्र की स्वच्छता और सुरक्षित यातायात को ध्यान में रखते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

डीआरसीसी कर्मचारी ने ठंड से बचाव को वृद्धों और महिलाओं को बांटे कम्बल

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बढ़ती ठंड को देखते हुए जरूरतमंद लोगों की मदद के उद्देश्य से डीआरसीसी के एसडब्लूओ राजेश मास्टर द्वारा सराहनीय पहल की गई। उन्होंने सिपाह स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के बीच कम्बल वितरण कर मानवता की मिसाल पेश की। ठंड के इस मौसम में जब कई परिवार आवश्यक संसाधनों के अभाव में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, ऐसे समय में राजेश की यह पहल स्थानीय स्तर पर सकारात्मक संदेश देती है।

वृद्धाश्रम में मौजूद बुजुर्गों ने कम्बल पाकर राहत महसूस की और राजेश को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि समाज में कमजोर और असहाय वर्ग तक मदद पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। इसी भावना के साथ उन्होंने डीआरसीसी में सफाई का काम करने वाली महिलाओं को भी कम्बल प्रदान किए, ताकि वे भी कठोर ठंड से बच सकें।

राजेश ने कहा कि ठंड का मौसम शुरू होते ही कई गरीब लोग गर्म कपड़ों की कमी से परेशान रहते हैं। ऐसे में यह महसूस हुआ कि हमें भी अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह छोटा सा प्रयास है, लेकिन उम्मीद है कि इससे लोगों को ठंड से कुछ राहत मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने उनकी इस पहल को सराहा और इसे प्रेरणादायी कदम बताया। समाज में इस तरह की मानवीय पहल से सहयोग और संवेदना की भावना मजबूत होती है।

हिलसा में शौचालय उपयोग बढ़ाने को जनजागरूकता और स्वच्छता अभियान तेज हुआ

हिलसा (अपना नालंदा)। प्रखंड कार्यालय हिलसा के सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी अमर कुमार की अध्यक्षता में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के पदाधिकारियों और जीविका दीदियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जीविका हिलसा के प्रखंड परियोजना प्रबंधक राजेश कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक शवनम कुमारी, प्रखंड समन्वयक राजीव कुमार रंजन और वार रूम कर्मी धनंजय कुमार मौजूद रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य खुले में शौच पर रोक लगाने और लोगों को शौचालय उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति तैयार करना था। इस दौरान "हमारा शौचालय, हमारा सम्मान" एवं "हमारा शौचालय, हमारा भविष्य" अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रखंड समन्वयक ने कहा कि खुले में शौच न केवल असुविधा पैदा करता है बल्किविशेषकर महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान से भी जुड़ा मुद्दा है। कई बार खुले में शौच के दौरान छेड़छाड़ और असुरक्षा की घटनाएं सामने आती हैं, जो परिवार की गरिमा पर चोट करती हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए "रोको-टोको अभियान" चलाया जाएगा। इसके तहत अनुसूचित जाति बहुल टोला क्षेत्रों में विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम होंगे। लोगों को बताया जाएगा कि शौचालय का उपयोग सुविधा के साथ-साथ सम्मान, सुरक्षा और स्वास्थ्य से सीधे जुड़ा है। खुले में शौच से फैलने वाली बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों पर पड़ता है।

पदाधिकारी अमर कुमार ने कहा कि खुले में शौच से गंदगी फैलती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और इलाज में परिवार की जमा पूंजी खर्च हो जाती है। इसलिए हर घर में शौचालय का नियमित उपयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में अभियान के लिए साप्ताहिक कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई, जिसमें संध्या चौपाल, स्कूलों में स्वच्छता कक्षाएं, हाथ धुलाई कार्यक्रम और जीविका समूहों के माध्यम से जागरूकता गतिविधियाँ शामिल हैं।

इंटर्नशिप में विद्यार्थियों ने सीखा आग पर काबू और पर्यावरण संरक्षण

बिहारशरीफ(अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज के सत्र 2023-27 के भूगोल और राजनीति विज्ञान विभाग के 50 विद्यार्थियों ने 15 दिवसीय इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतिम दिन कॉलेज परिसर में जिला अग्निशमन विभाग की सहायता से आग पर काबू पाने के तरीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में सुरक्षित बचाव, प्राथमिक प्रतिक्रिया और विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग की जानकारी दी गई।

कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. सुनीता सिन्हा ने कहा कि केवल किताबी अध्ययन से ज्ञान अधूरा रहता है, इसलिए इंटर्नशिप को सिलेबस में शामिल किया गया है ताकि छात्र व्यवहारिक अनुभव के माध्यम से समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें। राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आगजनी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे जान-माल को भारी नुकसान होता है। ऐसे में आग पर नियंत्रण की विधि सीखना अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

इंटर्नशिप के दौरान कई विद्यार्थी पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण पर कार्यरत संस्था 'गौरैया विहग फाउंडेशन' के साथ भी जुड़े रहे। संस्था के संस्थापक निदेशक राजीव रंजन पाण्डेय ने बताया कि आज के युवा पर्यावरण के प्रति काफी जागरूक हैं और संस्था उन्हें सही दिशा देकर पर्यावरण संरक्षण के लिए तैयार कर रही है।

कार्यक्रम में बिट्टू कुमार, आस्था कुमारी, प्रियंका कुमारी, शिम्पी कुमारी, पुष्पा कुमारी सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

नारायणपुर में कनीय अभियंता की छापेमारी में पांच लोग बिजली चोरी में पकड़े

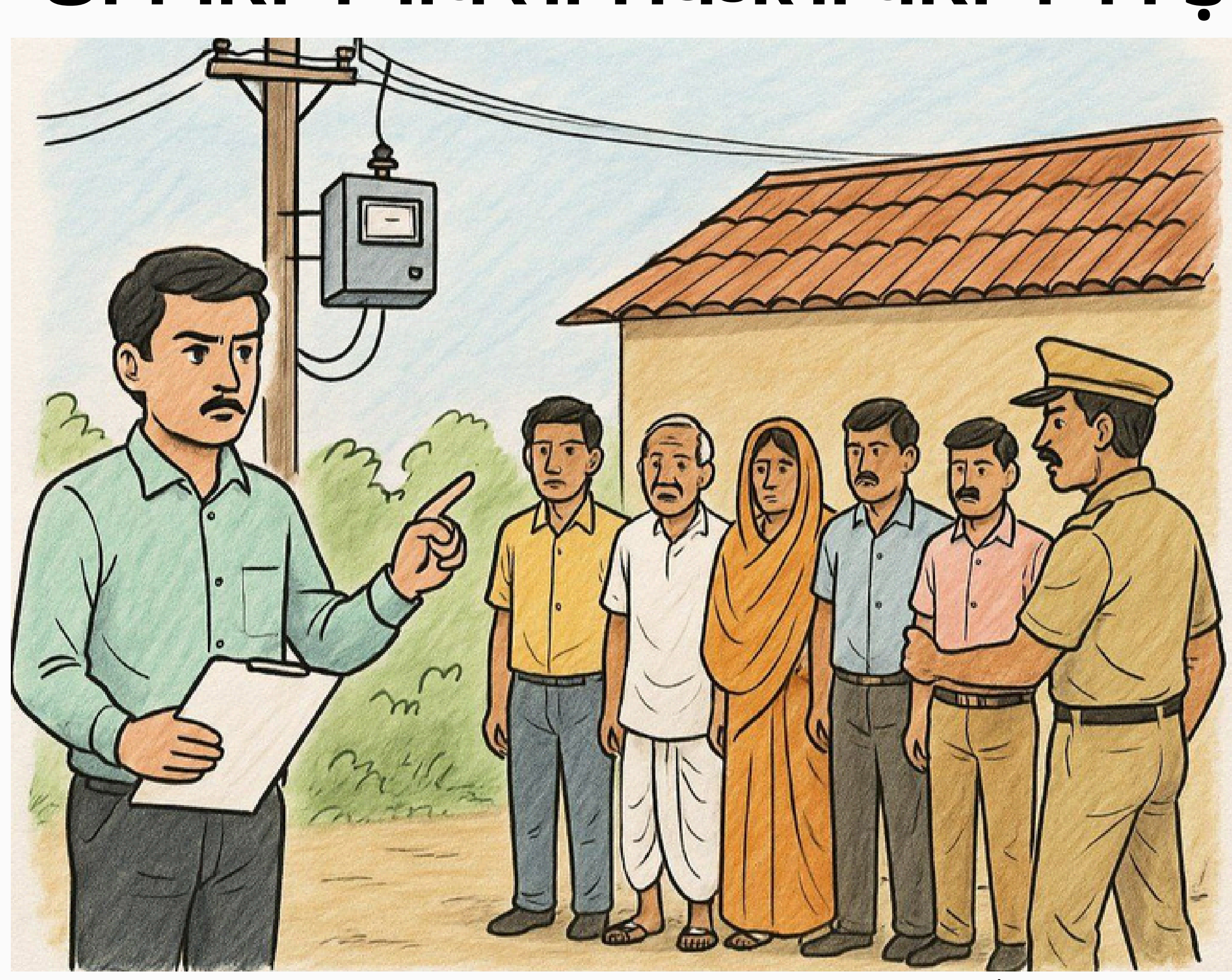

थरथरी (अपना नालंदा)। थरथरी थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में कनीय विद्युत अभियंता संकेत कुमार के नेतृत्व में बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान पांच लोगों को विद्युत ऊर्जा की चोरी करते हुए मौके पर पकड़ा गया। अभियंता ने बताया कि मानव बल की टीम के सहयोग से कई घरों की जांच की गई, जिसमें विभिन्न स्थानों पर मीटर से छेड़छाड़ कर बाईपास के माध्यम से अवैध रूप से बिजली उपयोग किया जा रहा था।छापेमारी में महेंद्र पासवान पर 24,132 रुपये, रविंद्र कुमार पर 7,833 रुपये, बुधनी देवी (पति रामवली रविदास) पर 21,024 रुपये, विरमणी मांझी पर 36,597 रुपये तथा वृहस्पति मांझी पर 36,096 रुपये का अर्थदंड निर्धारित किया गया। कुल मिलाकर पाँचों पर 1,25,682 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अभियंता संकेत कुमार ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा ऐसे अभियानों को और तेज किया जा रहा है, ताकि अवैध बिजली उपभोग पर पूर्ण रोक लगाई जा सके और राजस्व हानि की भरपाई सुनिश्चित हो।उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे थरथरी प्रखंड क्षेत्र में नियमित रूप से छापेमारी की जाएगी और किसी भी उपभोक्ता को बिजली चोरी करते पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान के दौरान मानव बल के सदस्य राकेश कुमार, मुकेश कुमार और चंदन कुमार शर्मा सक्रिय रूप से उपस्थित थे। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और वैध कनेक्शन से ही विद्युत ऊर्जा का उपयोग करें।

फोरलेन व विकास योजनाओं से हरनौत में जमीन के दाम बेपटरी बढ़े

हरनौत(अपना नालंदा)। हरनौत बाजार क्षेत्र में फोरलेन सड़क और बाईपास सड़क के तेजी से विकसित होने के बाद भूमि और भवन जैसी अचल संपत्तियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। सड़क किनारे की जमीन से लेकर दो-तीन प्लॉट अंदर तक सभी स्थानों पर कीमतों में अचानक भारी उछाल आया है। स्थिति यह है कि बाजार क्षेत्र में घर खरीदना अब आम लोगों के बजट से बाहर होता जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार फोरलेन निर्माण शुरू होने के बाद से भूमि की कीमत कई गुना बढ़ गई है। पहले जिन जमीनों पर खेती होती थी, वहीं अब मालिक मुंहमांगी कीमत मांग रहे हैं। कई लोग मजबूरी में अपनी संपत्ति बेच रहे हैं, लेकिन अधिकांश जमीन मालिक बेचने से परहेज कर रहे हैं। इधर तेज गति से हो रहे कंस्ट्रक्शन वर्क ने भी जमीन की मांग बढ़ा दी है। मकान, कार्यालय, कारखाना और प्लॉटिंग का कार्य लगातार चल रहा है तथा कई जगह नए मोहल्ले भी बसने लगे हैं।हरनौत क्षेत्र की बदलती तस्वीर के पीछे कई विकासात्मक कारण हैं। 115 एकड़ में फैला रेलवे कारखाना, विभिन्न बैंक, पोस्ट ऑफिस, ट्रांसफॉर्मर रिपेयरिंग वर्कशॉप, कृषि विज्ञान केंद्र, रेलवे स्टेशन, थाना, नए सीएचसी का निर्माण, पावर ग्रिड, दो पीएसएस, नगर पंचायत कार्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय सहित फोरलेन और टू लेन सड़कें यहां की रियल एस्टेट कीमत को लगातार बढ़ा रही हैं।इसके अतिरिक्त सीएम नीतीश कुमार के पैतृक गांव कल्याण बिगहा के पास राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण केंद्र, इंडोर शूटिंग रेंज, आईटीआई और रेफ़रल अस्पताल जैसी सुविधाओं ने भी इस इलाके की किस्मत बदल दी है। यही वजह है कि पहले वीरान दिखने वाले इलाके आज रियल एस्टेट हॉटस्पॉट बन चुके हैं।

स्व. राम लखन सिंह पुण्यतिथि पर क्रिकेट टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने बढ़ाया उत्साह

विजय प्रकाश उर्फ पिन्नु

नूरसराय (अपना नालंदा)। कल्याण बिगहा, हरनौत स्टेडियम में शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी स्व. कविराज राम लखन सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नालंदा द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का सादगीपूर्ण एवं गरिमामय शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने किया। उन्होंने स्व. राम लखन सिंह के देशसेवा, त्याग और आदर्शों को याद करते हुए युवाओं से खेल भावना, अनुशासन और समर्पण अपनाने की अपील की।

इस आयोजन में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (BCA) के अध्यक्ष हर्षवर्धन का सहयोग विशेष रूप से सराहा गया। उनकी प्रेरणा, दिशा-निर्देश और सतत मार्गदर्शन से प्रतियोगिता का संचालन अधिक संगठित और प्रभावी रूप से किया जा सका। स्थानीयखिलाड़ियों को मंच प्रदान करने और नालंदा में क्रिकेट संरचना को मजबूत करने के उनके प्रयासों की व्यापक प्रशंसा हुई।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नालंदा ने पूरे आयोजन को अनुशासित ढंग से संचालित किया, जिससे खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी और प्रेरणादायक वातावरण मिला। खेल प्रेमियों, स्थानीय प्रशासन और आम लोगों की उपस्थिति ने प्रतियोगिता को और अधिक ऊर्जा प्रदान की।

स्व. कविराज राम लखन सिंह—जो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पिता भी थे—की पुण्यतिथि पर आयोजित यह प्रतियोगिता उनके स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान और सामाजिक मूल्यों को नमन करने का अवसर बनी।

कार्यक्रम में नालंदा जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारी, डॉ. संजय, रिक्की कुमार, मुकेश कुमार, अंकित सिंह उर्फ पवन सिंह, अमन आदित्य, गौरव कुमार, सिद्धार्थ उर्फ बाबा आदि उपस्थित रहे।

निर्णायक की भूमिका परवेज़ मुस्तफा, पप्पू तथा सिकंदर यादव ने निभाई।

भूकंपरोधी निर्माण तकनीक के लिए थरथरी में 30 राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण शुरू

थरथरी (अपना नालंदा)। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तहत थरथरी प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार से 30 चयनित राजमिस्त्रियों का दस दिवसीय भूकंपरोधी भवन निर्माण प्रशिक्षण शुरू हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य राजमिस्त्रियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना और आम लोगों को सुरक्षित, भूकंपरोधी मकान निर्माण के प्रति जागरूक करना है।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ईंट भिगोने की सही प्रक्रिया, भवन निर्माण का लेआउट तैयार करने, कवर ब्लॉक बनाने, सीमेंट-बालू मिश्रण की समय-सारणी, आरसीसी में भूकंपरोधी बैंड बांधने जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों की व्यवहारिक एवं सैद्धांतिक जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञों ने बताया कि भूकंपरोधी निर्माण तकनीक अपनाकर भवनों की मजबूती बढ़ाई जा सकती है तथा आपदा के समय संभावित नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को संस्था के माध्यम से इंडक्शन किट, प्रतिभागी पुस्तिका, टूल किट और रिफ्रेशमेंट उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशिक्षण के सफल समापन और मूल्यांकन उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही, सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को सात हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजी जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ऐस्टिक सॉल्यूशंस द्वारा संचालित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में लेबर इंस्पेक्टर राकेश कुमार, कंस्ट्रक्शन लेबर यूनियन के जिला अध्यक्ष बालमुकुंद कुमार, सौरभ कुमार, लव कुमार, सोनू कुमार रंजन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी में निपुण भारत मिशन पर विस्तृत चर्चा हुई

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)। प्रखंड क्षेत्र के सभी प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का थीम "निपुण बनेगा हमारा बिहार, हमारा बच्चा भी होगा स्कूल का हिस्सा" रखा गया। संगोष्ठी का उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद बढ़ाकर बच्चों की शैक्षणिक प्रगति को और अधिक प्रभावी बनाना था।

संगोष्ठी में विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बच्चों की नियमित उपस्थिति, सीखने की क्षमता के मूल्यांकन और पढ़ाई के वातावरण को बेहतर बनाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बीईओ अब्दुल मन्नान ने बताया कि निपुण भारत मिशन का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे को भाषा, गणित और जीवनोपयोगी कौशल में दक्ष बनाना है। इसके लिए विद्यालय स्तर पर गतिविधि-आधारित शिक्षा, अतिरिक्त सहायता कक्षाएं और बच्चों की व्यक्तिगत प्रगति का निरंतर आंकलन किया जा रहा है।

अभिभावकों से आग्रह किया गया कि वे बच्चों की विद्यालय में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें, घर में पढ़ाई के लिए सकारात्मक वातावरण बनाएं और शिक्षकों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखें। कई अभिभावकों ने अपने सुझाव भी रखे तथा बच्चों की शिक्षा से जुड़ी समस्याएँ साझा कीं, जिनके समाधान के लिए शिक्षकों ने आश्वासन दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही "निपुण बनेगा हमारा बिहार" का लक्ष्य सफल हो सकता है। संगोष्ठी का मुख्य संदेश था कि हर बच्चा स्कूल का सक्रिय हिस्सा बने और सीखने की प्रक्रिया में पूरी लगन से शामिल हो। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

अंशुमान सिंह और सपना चौहान का धमाकेदार भोजपुरी गाना "सटावा जनी राइफल करेजवा पर" पटना में हुआ रिलीज

पटना(अपना नालंदा)।भोजपुरी संगीत जगत में एक बार फिर धमाका करते हुए रितु रमन फिल्म प्रोडक्शन द्वारा अपना नया गाना "सटावा जनी राइफल करेजवा पर" आज पटना के होटल मौर्या में भव्य तरीके से रिलीज किया गया। इस मौके पर एक्टर अंशुमान सिंह राजपूत, एक्ट्रेस शिल्पी राघवानी एवं निर्माता सी.बी. रमन मौजूद थे। रिलीज होते ही यह गाना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से वायरल हो गया है। गाने में अभिनेता अंशुमान सिंह राजपूत और खूबसूरत अदाकारा सपना चौहान की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। दोनों कलाकारों की भाव-भंगिमाएँ, एक्सप्रेशन और रोमांटिक अंदाज़ ने गाने को शुरुआत से ही विशेष पहचान दिलाई है।

इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए गाने के निर्माता सी.बी. रमन ने बताया कि भोजपुरी संगीत उद्योग में गुणवत्तापूर्ण कंटेंट की बढ़ती माँग को देखते हुए यह प्रोजेक्ट एक बड़ा प्रयास है। प्रोडक्शन टीम में कृष्णा मुरारी रमन और मनोरमा रमन का क्रिएटिव मार्गदर्शन भी गाने को अलग पहचान देता है। इस पूरे प्रोजेक्ट में राजकुमार सर का विशेष सहयोग रहा, जिसके लिए उन्हें विशेष धन्यवाद दिया गया है। गाने में अंशुमान सिंह और सपना चौहान का अभिनय शानदार है। दोनों की ऑन-स्क्रीन जोड़ी ने गाने में रोमांस और मनोरंजन का बेहतरीन संतुलन स्थापित किया है।

अंशुमान सिंह ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बेहद करीब है और इसकी शूटिंग के दौरान उन्होंने हर एक फ्रेम में अपनी पूरी ऊर्जा और सच्चाई के साथ अभिनय किया है। उन्होंने बताया कि "सटावा जनी राइफल करेजवा पर" एक एंटरटेनिंग और रोमांटिक फील लिए हुए गाना है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सपना चौहान के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों का मिल रहा प्यार उनके लिए प्रेरणा है। अंशुमान सिंह ने सभी फैन्स से अपील की कि वे गाने को अधिक से अधिक देखें, शेयर करें और अपना प्यार ऐसे ही बनाए रखें।

आपको बता दें कि गाने को अपनी सुमधुर आवाज़ दी है लोकप्रिय गायक साजन बाबू और पूनीता प्रिया ने। लिखित शब्दों में जज़्बात और मस्ती का मेल देखने को मिलता है, जिसके पीछे रचनाकार धीरज दीवाना का बेहतरीन लेखन है। संगीत को आकर्षक और आधुनिक अंदाज़ में सजाया है ट्यून है ने, जिससे गाना युवाओं के बीच तुरंत हिट हो गया है। गाने में ध्वनि की गुणवत्ता और वोकल्स को बेहद खूबसूरती से परिष्कृत किया गया।

वहीं, वीडियो का निर्देशन राहुल झा और जीतेन्द्र जीटू जिट्ज़ ने मिलकर किया है। एडिटिंग और विज़ुअल इफेक्ट्स को बारीकी से सँवारा है पंकज सॉ ने, जबकि DI का उत्कृष्ट कार्य रोहित सिंह द्वारा किया गया है। इसके पी आर ओ रंजन सिन्हा हैं।

वार्ड सदस्य अनंत पांडे के असामयिक निधन से पंचायत में गहरा शोक व्याप्त

हिलसा (अपना नालंदा)। हिलसा प्रखंड अंतर्गत योगी पुर पंचायत के मलावां गांव निवासी एवं वार्ड संख्या 8 के वार्ड सदस्य अनंत पांडे का शुक्रवार देर रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर से पूरे पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मिलनसार और सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी पहचान थी, ऐसे में ग्रामीणों ने इस घटना को पंचायत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनंत पांडे अपने भाई के गौना समारोह में शामिल होने के लिए शुक्रवार को सरबहदा गए थे। समारोह के दौरान ही देर रात अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। परिजनों ने तुरंत उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में मातम का माहौल व्याप्त हो गया।

ग्रामीणों ने बताया कि अनंत पांडे हमेशा सामाजिक कार्यों में आगे रहते थे और लोगों की समस्याओं को सुनने तथा समाधान कराने में तत्पर रहते थे। उनके निधन से पंचायत एक सक्रिय, सजग और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि को खो बैठा।

पंचायत की मुखिया प्रेम शीला देवी सहित विनोद कुमार, राजीव कुमार, सतीश कुमार, रजनीकांत कुमार, अंशु कुमार, विकास कुमार समेत कई स्थानीय लोगों ने शोक प्रकट करते हुए शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की।

पं. जयनन्दन झा की पुण्य-स्मृति पर स्वतंत्रता सेनानी परिजनों का सम्मान समारोह

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। वैशाली जिले के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी और महात्मा गांधी को हाजीपुर लाने वाले अग्रणी योद्धा पं. जयनन्दन झा की 47वीं पुण्य-स्मृति पर शनिवार को स्थानीय गांधी आश्रम में श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पं. झा एक प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य थे, जिन्होंने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की बहन विजयलक्ष्मी पंडित का उपचार कर उन्हें जीवनदान दिया था। देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद भी उनके प्रति गहरी श्रद्धा रखते थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने किया। उन्होंने कहा कि आज के नैतिक पतन के दौर में पं. झा जैसे त्याग और मूल्यों वाले व्यक्तित्व अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि देश आज अपने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत से प्रेरणा की प्रतीक्षा में है।

समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. संगीता कुमारी, सभापति, हाजीपुर नगर परिषद, और डॉ. सुलभ ने नौ स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों को 'पं. जयनन्दन झा स्मृति सम्मान' से सम्मानित किया। सम्मानित उत्तराधिकारियों में अरुण कुमार शुक्ल, सच्चिदानंद सिंह, गीता सिंह, शुकुल राय, युगल किशोर यादव, तारकेश्वर प्रसाद यादव, अनिल कुमार राय, वीरेंद्र कुमार और अनिल दास शामिल थे।

मुख्य वक्ता रघुपति ने कहा कि पं. झा न सिर्फ एक स्वतंत्रता सेनानी थे बल्कि लोगों को आंदोलन से जोड़ने वाले महान संगठनकर्ता थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. झा के पौत्र एवं स्मृति फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. आनंद मोहन झा ने की। समारोह में कई साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्वतंत्रता सेनानी परिवार शामिल हुए। देवचंद्र महाविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। मंच संचालन पत्रकार अमित कुमार ने किया।

लंबी बीमारी से जूझ रहीं 78 वर्षीय शकल सुंदरी देवी का निधन

हरनौत (अपना नालंदा)। रहुई प्रखंड स्थित सुपासंग पंचायत के इमली बीघा गांव निवासी धर्मवीर पासवान की 78 वर्षीय पत्नी शकल सुंदरी देवी का निधन हो गया। उनके पुत्र कौशलेंद्र पासवान ने बताया कि वे काफी समय से गंभीर रूप से बीमार थीं। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद परिवार उन्हें घर ले आया था।शनिवार की सुबह उनकी तबीयत अचानक और खराब हो गई तथा उन्होंने अंतिम सांस ली। वृद्धा के निधन की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों और परिचितों ने उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

गश्ती के दौरान नशे में धुत युवक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

बेन (अपना नालंदा)। बेन थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी रौशन कुमार ने बताया कि गश्ती के दौरान केंदुआ बिगहा गांव के पास पक्की सड़क पर एक युवक को नशे की हालत में पकड़ा गया। गिरफ्तार युवक की पहचान विनय कुमार (उम्र 28 वर्ष), पिता वीरेंद्र पाल, निवासी केंदुआ बिगहा, थाना बेन, नालंदा के रूप में की गई है।पुलिस के अनुसार, routine गश्ती के दौरान युवक की संदिग्ध गतिविधि देखकर उसकी जांच की गई। जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने पर उसे तुरंत हिरासत में लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।थाना पुलिस ने कहा कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन पर लगातार कार्रवाई जारी है। पुलिस टीम ने लोगों से शराबबंदी कानून का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

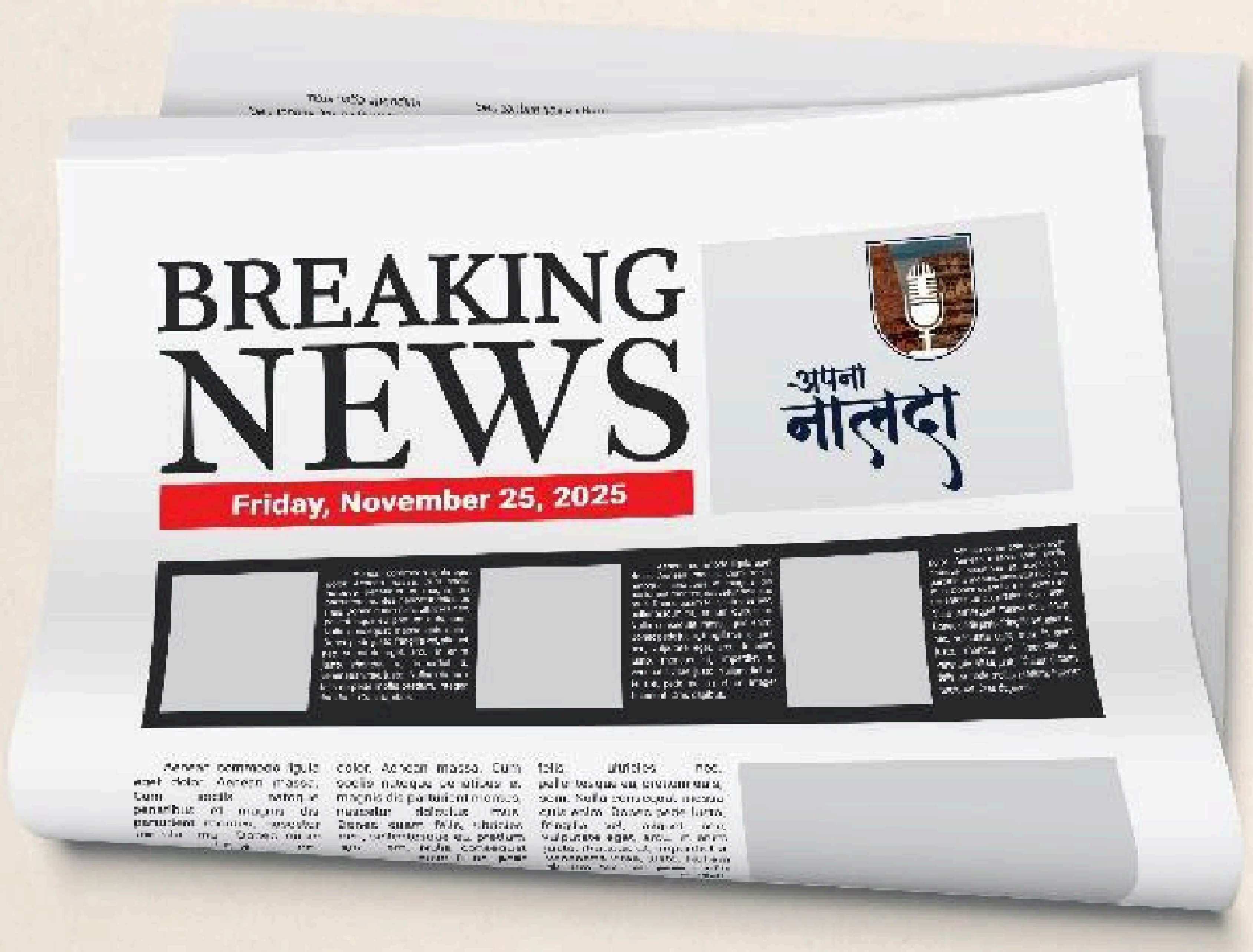

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।